



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—ठप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 974]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 14, 2005/भाद्र 23, 1927

No. 974]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 14, 2005/BHADRA 23, 1927

गृह मंत्रालय
अधिसूचना
नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2005

का.आ. 1291(अ).— केंद्रीय सरकार ने फ्रांस गणराज्य की सरकार के साथ आपराधिक मामलों के संबंध में फ्रांस में किसी व्यक्ति पर समन या वारंट की तामील करने के लिए ठहराव किए हैं, अतः, केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 की उपधारा (1) के खंड (ii) के अनुसरण में यह निदेश देती है कि भारत में किसी न्यायालय द्वारा,—

(क) किसी अभियुक्त व्यक्ति को समन, या

(ख) किसी अभियुक्त व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए कोई वारंट, या

(ग) किसी व्यक्ति से यह अपेक्षा करने वाला कोई समन, कि वह हाजिर हो और कोई दस्तावेज या अन्य वस्तु पेश करे या उसे प्रस्तुत करे, या

(घ) कोई तलाशी वारंट,

फ्रांस में केंद्रीय प्राधिकारी के माध्यम से, उस देश में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार रखने वाले न्यायालय, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट को दो प्रतियों में, उस न्यायालय, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट को निदेश देते हुए, जारी किया जाएगा कि वह ऐसे समन या वारंट की उसमें नामित व्यक्ति पर तामील या निष्पादन करे।

(2) केंद्रीय सरकार यह और निदेश देती है कि ऐसा समन या वारंट फ्रांस में केंद्रीय प्राधिकारी को पारेषित किए जाने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार को भेजा जाएगा।

[फा. सं. 2/4/2005-न्यायिक सैल]
डॉ. गी. के. सेठ, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th September, 2005

S.O. 1291(E).— Whereas arrangements have been made with the Government of the French Republic for service of summons or warrant, in relation to criminal matters, on any person in France, the Central Government, in pursuance of clause (ii) of sub-section (1) of section 105 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), hereby directs that -

- (a) a summons to an accused person, or
- (b) a warrant for the arrest of an accused person, or
- (c) a summons to any person requiring him to attend and produce a document or other thing, or to produce it, or
- (d) a search - warrant,

shall be issued by a Court in India, in duplicate, to the Court, Judge or Magistrate having authority, under the law in force in that country, through the Central authority in France, directing that Court, Judge or Magistrate to serve such summons or execute such warrant on the person named therein.

2. The Central Government further directs that such summons or warrant shall be sent to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi for transmission to the Central authority in France.

[F. No. 2/4/2005-Judl. Cell]
Dr. P. K. SETH, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2005

का.आ. 1292(अ).—केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105ख की उपधारा (2) के अनुसरण में यह निदेश देती है कि किसी आपराधिक मामले में अन्वेषण या जांच के दौरान किसी व्यक्ति की हाजिरी के लिए फ्रांस में किसी स्थान पर तामील या निष्पादित किए जाने वाले, यथास्थिति, समन या वारंट इससे उपाबद्ध, यथास्थिति, प्ररूप 'क' या प्ररूप 'ख' में जारी किए जाएंगे और ऐसे समन या वारंट को फ्रांस में केंद्रीय प्राधिकारी को पारेषित किए जाने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजा जाएगा।

प्ररूप क

साक्षी को समन

[दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 105ख की उपधारा (2) देखिए]

प्रेषिती

(केंद्रीय प्राधिकारी, फ्रांस के माध्यम से)

मेरे समक्ष यह आवेदन किया गया है कि (अभियुक्त का नाम), जिसका पता (पता) है, ने (संक्षेप में अपराध का समय और स्थान सहित उल्लेख करें) अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और मुझे यह प्रतीत होता है कि संभवतः आप अभियोजन के लिए तात्त्विक साक्ष्य दे सकते हैं या किसी दस्तावेज या अन्य वस्तु को पेश कर सकते हैं।

इसके द्वारा आपको ; ; समन किया जाता है कि ऐसे दस्तावेज या वस्तु को पेश करने या उक्त आवेदन के विषय से संबंधित अपनी जानकारी का साक्ष्य देने के लिए आप आंगामी तारीख को बजे पूर्वाहन/अपराह्न में न्यायालय के समक्ष हाजिर हों तथा न्यायालय के आदेश के बिना न जाएं और इसके साथ आपको यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आप उक्त दिन को न्यायसंगत हेतुक के बिना हाजिर होने से उपेक्षा करेंगे या उससे इंकार करेंगे तो आपको हाजिर होने के लिए विवश करने के लिए वारंट जारी किया जाएगा।

तारीख 200.

न्यायालय की मुद्रा

प्ररूप ख

न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर

साक्षी को लाने के लिए वारंट

[दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 105ख की उपधारा (2) देखिए]

सेवा में

फ्रांस में न्यायालय/न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट,

(केंद्रीय प्राधिकारी, फ्रांस के माध्यम से)

मेरे समक्ष यह आवेदन किया जाता है कि (अभियुक्त का नाम और विवरण) जिसका पता (पता) है, ने (रांक्षेप में अपराध का समय और स्थान सहित उल्लेख करें) अपराध किया है और मुझे यह प्रतीत होता है कि रांभवता (साक्षी का नाम और विवरण) अभियोजन के लिए तात्त्विक साक्ष्य देगा या किसी दस्तावेज या अन्य वस्तु को पेश करेगा और उक्त साक्षी आपकी अधिकारिता की रथानीय सीमाओं के भीतर निवास कर रहा है तथा मेरे पास यह विश्वास करने का अच्छा और पर्याप्त कारण है कि वह उक्त मामले के अन्वेषण या जांच में तब तक हाजिर नहीं होगा/होगी, जब तक उसे ऐसा करने के लिए विवश न किया जाए।

मुझे को यह अनुरोध करना है और मैं यह अनुरोध करता हूँ कि उपर्युक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिए आप उक्त (व्यक्ति का नाम) को गिरफ्तार कराएंगे और उसे गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से मेरी अभियाक्षा में भिजवाएंगे।

आज तारीख 200 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा के अधीन प्रदत्त किया गया।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर

[फा. सं. 2/4/2005-न्यायिक सैल]
डॉ. पी. के. सेट, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th September, 2005

S.O. 1292(E).—In pursuance of sub-section (2) of section 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that a summons or warrant, as the case may be, for attendance of a person during the investigation or inquiry in any criminal case, to be served or executed in any place in France shall be issued in forms A or form B annexed hereto, as the case may be, and such summons or warrant shall be sent to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi for transmission to the Central Authority in France.

FORM A

SUMMONS TO WITNESS

[See sub-section (2) of section 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973

To

(Through the Central Authority in France)

Whereas an application has been made before me that (Name of the accused) of (address) has (or is suspected to have) committed the offence of (state the offence concisely with time and place) and it appears to me that you are likely to give material evidence or to produce any document or other thing for the prosecution; You are hereby summoned to appear before the Court on the -----day of -----next at -----AM/PM to produce such document or thing or to testify what you know concerning the matter of the said application, and not to depart then without the order of the Court, and you are hereby warned that, if you shall without just cause neglect or refuse to appear on the said date, a warrant will be issued to compel your attendance.

Dated, this -----day of -----2005.

Seal of the Court

Signature of the
Judge/Magistrate

FORM - B

WARRANT TO BRING UP A WITNESS

[See sub-section (2) of section 105B of the
Code of Criminal Procedure, 1973]

To

The Court/Judge/Magistrate in France.

(Through the Central Authority in France)

Whereas an application has been made before me that, ----- (name and description of the accused) ----- of (address) has (or is suspected to have) committed

2743 GI/05-2

an offence of ----- (state the offence concisely with time and place) and it appears to me that ----- (name and description of witness) is likely to give material evidence or to produce any document or other thing for the prosecution; and whereas, the said witness is residing within the local limits of your jurisdiction; and whereas, I have good and sufficient reason to believe that he/she will not attend the investigation or inquiry of the said case unless compelled to do so;

I, -----, have the honour to request and hereby do request that for the reasons aforesaid and for the assistance of the said Court, you will be pleased to cause the said ----- (name of person) to be arrested and to forward him/her in custody to the undersigned, through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court

this ----- day of -----

2005.

Seal of the Court

Signature of the
Judge/Magistrate

[F. No. 2/4/2005-Judl. Cell]
Dr. P. K. SETH, Jr. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2005

का.आ. 1293(अ).— केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105ख की उपधारा (1) के अनुसरण में यह निर्देश देती है कि भारत में किसी न्यायालय का किसी व्यक्ति को हाजिर होने या कोई वारंट इससे उपाबद्ध प्ररूप में जारी किया जाएगा और ऐसा वारंट दो प्रतियों में गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को फ्रांस में केन्द्रीय प्राधिकारी को पारेषित किए जाने के लिए भेजा जाएगा।

प्ररूप

साक्षी को लाने के लिए वारंट

[दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 105ख देखिए]

प्रेषिती,

फ्रांस में का न्यायालय/न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट,

(केंद्रीय प्राधिकारी, फ्रांस के माध्यम से)

मेरे समक्ष यह परिवाद किया गया है कि (अभियुक्त का नाम और विवरण), जिसका पता (पता) है, ने (संक्षेप में अपराध का उल्लेख करें) अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और संभवतः ऐसा प्रतीत होता है कि (साक्षी का नाम और विवरण) उक्त परिवाद के संबंध में साक्ष्य दे सकता है और यह प्रतीत होता है कि उक्त साक्षी आपकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर निवास कर रहा है तथा मेरे पास यह विश्वास करने का अच्छा और पर्याप्त कारण है कि वह तब तक हाजिर नहीं होगा/होगी या निम्नलिखित दस्तावेजों या अन्य वस्तुओं को पेश नहीं करेगा/करेगी जब तक उसे ऐसा करने के लिए विवश न किया जाए :—

(i) (यहां पेश किए जाने वाले दस्तावेजों या वस्तुओं की सूची दें)

(ii)

मुझे को यह अनुरोध करना है और मैं यह अनुरोध करता हूँ कि उपर्युक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिए आप सक्त (साक्षी का नाम) को गिरफ्तार कराएंगे और ऐसे व्यक्ति से ऊपर सूचीबद्ध दस्तावेज या वस्तु को, जो उसके कब्जे में हैं, पेश करने की भी अपेक्षा करेंगे तथा उस व्यक्ति को व्यक्ति को अभिक्षा में लिए गए दस्तावेजों या वस्तुओं के साथ गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से मेरे पास भेजेंगे।

आज तारीख 200..... को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा के अधीन प्रदत्त किया गया।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर

[फा. सं. 2/4/2005-न्यायिक सैल]
डॉ. पी. के. सेठ, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th September, 2005

S.O. 1293(E).— In pursuance of sub-section (1) of section 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that a warrant from a Court in India for arrest of a person to attend or produce a document or other thing, to be executed in any place in France shall be issued in the form annexed hereto and that such warrant shall be sent in duplicate to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi for transmission to the Central Authority in France.

FORM

WARRANT TO BRING UP A WITNESS

[See section 105B of the Code of
Criminal Procedure, 1973]

To

The -----Court/Judge or Magistrate
in France.

(Through the Central Authority, France)

Whereas complaint has been made before me that (name and description of the accused) of (address) has (or is suspected to have) committed an offence of (mention the offence concisely), and it appears likely that (name and description of witness) can give evidence concerning the said complaint and whereas it appears that the said witness is residing within the local limits of your jurisdiction. And whereas I have good and sufficient reason to believe that he/she will not attend or produce the following documents or other things unless compelled to do so:

- (i) (Here give the list of documents or things to be produced)
- (ii)

I, -----, have the honour to request and hereby do request that for the reasons aforesaid and for the assistance of the said Court, you will be pleased to cause the said (Name of the witness) to be arrested and also require such person to produce the document or thing listed above, which may be in his/her possession and to forward the person in custody alongwith the documents or things to the undersigned through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court this ----- day of -----200-----.

Signature of the

Seal of the Court

Judge/Magistrate

[F. No. 2/4/2005-Judl. Cell]

Dr. P. K. SETH, Jt. Secy.

अधिसूचना
नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2005

का.आ. 1294(अ).—| केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 की उपधारा (2) के अनुसरण में, फ्रांस में, सक्षम न्यायालय, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट को, जिसे उस देश में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त हो, आपराधिक मामलों के संबंध में किसी अभियुक्त व्यक्ति के नाम समन जारी करने या किसी अभियुक्त व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी करने या किसी व्यक्ति से यह अपेक्षा करने वाला कोई समन कि वह हाजिर हो और कोई अन्य दस्तावेज या अन्य वस्तु पेश करे या उसे प्रस्तुत करे, जारी करने के लिए, ऐसे न्यायालय के रूप में, विनिर्दिष्ट करती है जो आपराधिक मामलों के संबंध में भारत में निवास करने वाले व्यक्तियों को ऐसे समन या वारंट जारी कर सकेगा।

(2) केंद्रीय सरकार यह और निदेश देती है कि किसी ऐसी दशा में, जहां फ्रांस से प्राप्त समन या किसी तलाशी वारंट को निष्पादित किया गया है, वहां पेश किए गए दस्तावेजों या वस्तुओं को या तलाशी के दौरान पाई गई वस्तुओं को समन या तलाशी वारंट जारी करने वाले न्यायालय को फ्रांस में केंद्रीय प्राधिकारी को पारेषित किए जाने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से भेजा जाएगा।

[फा. सं. 2/4/2005-न्यायिक सैल]
डॉ. पी. के. सेठ, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th September, 2005

S.O. 1294(E).— In pursuance of sub-section (2) of section 105 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies competent Court, Judge or Magistrate in France having authority, under the law in force in that country, to issue a summons to an accused person, or a warrant for the arrest of an accused person, or summons to any person requiring him to attend and produce a document or other thing, or to produce it, in relation to criminal matters, as the Court by which such summons or warrant may be issued to persons residing in India in relation to criminal matters.

2. The Central Government further directs that in a case where a summons or a search warrant received from France has been executed, the documents or things produced or things found in the search shall be forwarded to the Court issuing the summons or search warrant through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi, for transmission to the Central Authority in France.

[F No. 2/4/2005-Judl. Cell]

Dr. P. K. SETH, Jr. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2005

का.आ. 1295(अ).— केंद्रीय सरकार ने फ्रांस गणराज्य की सरकार के साथ भारत के न्यायालयों में आपराधिक मामलों के संबंध में फ्रांस में गिलास करने वाले साक्षियों का साक्ष्य लेने के लिए उपराव किया हुआ है, अतः केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया रांहित, 1973 (1974 का 2) की धारा 285 की उपधारा (3) के अनुसरण में यह निदेश देती है कि (क) फ्रांस में साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन, भारत के न्यायालयों द्वारा इससे उपाबद्ध प्ररूप में, फ्रांस के किसी राक्षम दांडिक न्यायालय को, जिसे फ्रांस में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन अधिकार प्राप्त है, जारी किया जाएगा ; और (ख) ऐसा कमीशन फ्रांस में केंद्रीय प्राधिकारी को पारेंसित किए जाने के लिए यूह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजा जाएगा ।

का न्यायालय

भारत के बाहर साक्षी की परीक्षा के लिए कमीशन

[दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 285 (3) देखिए]

प्रेषिती

(गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से)

मुझे यह प्रतीत होता है कि के न्यायालय में मामला संख्या बनाम में का साक्ष्य न्याय के हित में आवश्यक है और ऐसा साक्षी आपकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर निवास कर रहा है और उसकी हाजिरी को बिना अयुक्तियुक्त विलंब, व्यय या असुविधा के उपाप्त नहीं किया जा सकता है। मुझे को यह अनुरोध करना है और मैं यह अनुरोध करता हूं कि उपर्युक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिए आप उक्त साक्षी को, ऐसे समय और स्थान पर, जो आप नियत करेंगे, हाजिर होने के लिए समन करें तथा यह कि आप ऐसे साक्षी की उन परिप्रेक्षणों (मौखिक परीक्षा के लिए) के आधार पर परीक्षा कराएं, जो इस कमीशन के साथ भेजे जा रहे हैं।

कार्यवाही का कोई पक्षकार अपने काऊंसिल या अभिकर्ता के माध्यम से या यदि अभिरक्षा में नहीं है तो स्वयं आपके समक्ष हाजिर हो सकेगा और (यथास्थिति) उक्त साक्षी की परीक्षा, प्रतिपरीक्षा या पुनःपरीक्षा कर सकेगा;

और मैं यह और अनुरोध करता हूं कि आप उक्त साक्षी के उत्तरों को लेखबद्ध कराएं और ऐसी परीक्षा के दौरान पेश की गई सभी पुस्तकों, पत्रों, कागजों और दस्तावेजों को पहचान के लिए सम्यक् रूप से विचारित कराएं तथा आप ऐसी परीक्षा को अपनी शासकीय मुद्रा (यदि कोई हो) और अपने हस्ताक्षर के द्वारा अधिप्रमाणित करें तथा उसे इस कमीशन के साथ गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से मेरी अभिरक्षा में भेजें।

आज तारीख 200..... को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा के अधीन प्रदत्त किया गया।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर

[फा. सं. 2/4/2005-न्यायिक सैल]

डॉ. पी. के. सेठ, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th September, 2005

S.O. 1295(E).— Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of the French Republic for taking the evidence of witnesses residing in France in relation to criminal matters in Courts in India, the Central Government in pursuance of sub-section (3) of section 285 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) hereby directs that (a) Commission for examination of witnesses in France shall be issued by the Courts in India in the form annexed hereto, to any competent Criminal Court of the France having authority under the law in force in France; and (b) such Commission shall be sent to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi, for transmission to the Central Authority in France.

IN THE COURT OF -----

Commission to examine witness outside India

[See section 285(3) of the Code of
Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974).]

To

(Through the Ministry of Home Affairs,
Government of India,
New Delhi.)

Whereas it appears to me that the evidence of ----- is necessary for the ends of justice in case No. ----- Vs. in the Court of ----- and that such witness is residing within the local limits of your jurisdiction and his/her attendance cannot be procured without unreasonable delay, expense or inconvenience, I -----, have the honour to request and do hereby request that for the reasons aforesaid and for the assistance of the said Court, you will be pleased to summon the

said witness to attend at such time and place as you shall appoint and that you will cause such witness to be examined upon the interrogatories which accompany this Commission (for *viva voce*);

Any party to the proceeding may appear before you by his/her Counsel or agent or, if not in custody, in person, and may examine, cross-examine or re-examine (as the case may be) the said witness;

And, I further have the honour to request that you will be pleased to cause the answers of the said witness to be reduced into writing and all books, letters, papers and documents produced upon such examination to be duly marked for identification and that you will be further pleased to authenticate such examination by your official seal (if any) and by your signature and to return the same together with this Commission to the undersigned through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court this -----day of-----
-----200-----

Signature of the
Judge/Magistrate

Seal of the Court

[F. No. 2/4/2005-Judl. Cell]
Dr. P. K. SETH, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2005

का.आ. 1296(अ).— केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 290 की उपधारा (2) के खंड (ख) के अनुसरण में फ्रांस के अधिकारिता वाले ऐसे सभी न्यायालयों, न्यायाधीशों या मजिस्ट्रेटों को, फ्रांस में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार वाले, ऐसे न्यायालय विनिर्दिष्ट करती है जिनके द्वारा भारत में निवास कर रहे साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन जारी किया जा सकेगा।

[फा. सं. 2/4/2005-न्यायिक सैल]
डॉ. पी. के. सेठ, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th September, 2005

S.O. 1296(E).— In pursuance of clause (b) of sub-section (2) of section 290 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies all Courts, Judges or Magistrates exercising jurisdiction in France having authority, under the

law in force in France as the Courts by whom Commission for the examination of witnesses residing in India may be issued.

[F. No. 2/4/2005-Judl. Cell]

Dr. P. K. SETH, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2005

का.आ. 1297(अ).— केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105L द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि फ्रांस के संबंध में दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अध्याय 7क के उपबंध, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से बिना किसी शर्त, अपवाद या अर्हता के लागू होंगे।

[फा. सं. 2/4/2005-न्यायिक सैल]

डॉ. पी. के. सेठ, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th September, 2005

S.O. 1297(E).— In exercise of the powers conferred by section 105L of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that the provisions of Chapter VIIA of the said Code of Criminal Procedure, 1973 shall apply without any condition, execution or qualification in relation to France with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. 2/4/2005-Judl. Cell]

Dr. P. K. SETH, Jt. Secy.